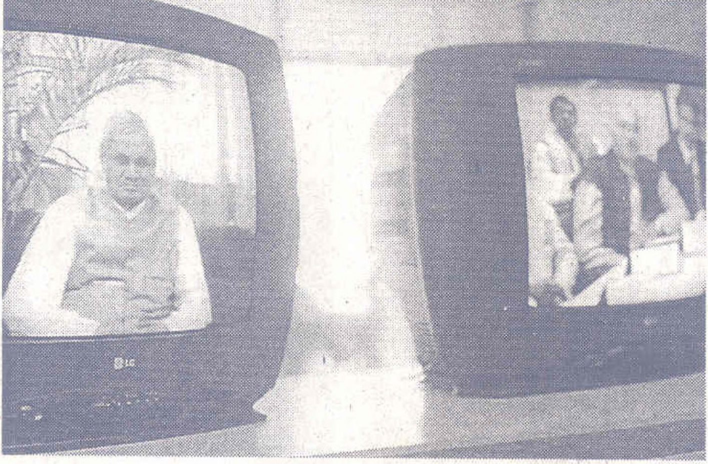

लखनऊ के विकास प्राधिकरण, गोमतीनगर में जनप्रतिनिधि शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से वार्ता करते हुए

टेलीकांफ्रेंसिंग में लखनऊ से.....

प्रतिनिधियों और प्रधानमंत्री के बीच सीधी वार्ता हुई। इस वार्ता में प्रधानमंत्री ने जहां विकास के लिए हर सम्भव प्रयास करने के वायदे किए वहीं यहां के प्रतिनिधियों ने श्री वाजपेयी से बड़ी अपेक्षाएं भी कीं। इस कार्यक्रम में करीब डेढ़ दर्जन विभिन्न प्रतिनिधियों को बोलने का मौका दिया जाना था। लेकिन समय के अभाव के कारण लगभग आधा दर्जन लोग ही अपनी बात कह सके। माल के राजा कुंवर भूपेन्द्र सिंह ने माल-मलिहाबाद की आम बेल्ट के बाबत विस्तार से अपनी बात रखी। वहां पर सिंचाई की आ रही दिक्कतों के बारे में प्रधानमंत्री को उन्होंने अवगत कराया। श्री सिंह ने आम के निर्यात को लखनऊ से प्रारम्भ कराने के लिए आग्रह किया। राजा माल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में ही प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को अगले सीजन में आम की दावत के लिए न्यौता दिया। सभासद कुंवर महेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के स्वास्थ्य का हाल-चाल पूछते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी आप का घुटना कैसा है ? इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जब अपने पैरों चलकर आया हूं तो घुटना आपने देखा ही होगा। अटल जी ने कहा कि जब मैं जरा सा बीमार होता हूं तो लोग-बाग कहते हैं 'अब तो निपट ही गये होंगे'। श्री बाजपेयी के इस जबाब से माहौल में हंसी के ठहाके गूंजने लगे। श्री बाजपेयी ने आगे कहा कि वह लखनऊ की जनता से बेहद प्यार करते हैं और उन्हीं की दुआओं से वह इतनी जल्दी ठीक हो गये। उन्होंने कहा कि पूर्णत: स्वस्थ्य होते ही वह सबसे पहले लखनऊ ही आएंगे। श्री सिंह ने विकास कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा तो की लेकिन विभिन्न विभागों के बीच सामजस्य न होने की उनसे शिकायत भी की। मसलन् सड़क बनी और दूसरे दिन ही टेलीफोन या फिर अन्य विभाग ने इसे खोद कर फिर से स्थिति पुरानी जैसी कर देते हैं। प्रधानमंत्री ने इस मामले को भी गम्भीरता से लिया और कहा कि वे इस सम्बन्ध में उचित कार्रवाई करेंगे।

क्षेत्र पंचायत सदस्य मोहन राकेश ने बख्शी के तालाब की ग्रामीण समस्याओं को उजागर किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि क्षेत्र में महिला विद्यालय है ही नहीं। क्षेत्र की महिलाओं को या तो शिक्षा के लिए रोकना पड़ जाता है अथवा 10-10 किलोमीटर दूर भेजना पड़ता है। इसी प्रकार स्वास्थ्य केन्द्र के बारे में भी उन्होंने कहा कि क्षेत्र में महिलाओं के स्वास्थ्य की कोई व्यवस्था नहीं है। एक स्वयं सेवी के प्रभाकर सिन्हा ने एनजीओ की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। ग्राम प्रधान श्रीमती विमला देवी ने भी क्षेत्र में स्कूल आदि की समस्या पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम गांव का विकास करना चाहते हैं। वहां की जो मूलभूत जरूरतें हैं उन्हें हम प्राथमिकता से पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में लड़कियों के स्कूल की व्यवस्था नहीं है वहां स्कूल खोले जाएं। इसी प्रकार विद्यालयों में उचित व्यवस्था करने के लिए उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि वे उनकी सांसद निधि से स्कूलों की मूलभृत जरूरतों को पूरा करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूं तो संसाधन बहुत कम हैं लेकिन फिर भी विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि इसमें जनता का भी सहयोग मिले ताकि विकास कार्य तेजी से किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन प्रधानमंत्री कार्यालय के निदेशक आरपी सिंह ने किया। उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय सूचना केन्द्र को धन्यवाद भी दिया।

गणतंत्र दिवस देखने का न्यौता

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आज टेलीक्रांफ्रेसिंग के जरिए लखनऊ वासियों को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस देखने का न्यौता दिया। उन्होंने कहा कि अब आप लोग 50 लोगों का चयन करके खुद सूची तैयार कर लें। श्री वाजपेयी लखनऊ की जनता से संवाद कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों व अन्य लोगों से टेली कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस एक महान राष्ट्रीय पर्व है और वे चाहते हैं कि इस महान पर्व को उनके क्षेत्र के लोग देखें। इसके लिए वे प्रदेश की राजधानी के 50 लोगों को आमंत्रित करेंगे।